CRLA No. 153 of 2006
(Old No. 2781 of 1985)

Hon'ble J.C.S. Rawat, J.

C.J.M., Dehradun has reported that H.D. Padha died in the year 1994-95. The death certificate was not available, therefore, it has not been sent. C.J.M. has obtained the report from C.B.I. as under:-

''माननीय न्यायालय द्वारा जारी गिरपतारी अधिपत्र की तामिली मुझे उ.पु. नि. के द्वारा की गई प्रार्थी अभियुक्त एच डी पाघा के परिवार का पता लगाया तो उनका छोटे भाई रामपाल सिंह पुत्र श्री हरदेव सहाय निवासी ग्रम खेकडा जिला बागपत व सत्यपाल सिंह पुत्र श्री हरदेव सहाय गोतम नगर गाजियाबाद मिले उनसे पता किया तो उन्होने बताया कि एच डी पाघा की मृत्यु 1994–95 में हो गई थी उनका मृत्यु प्रमाण पत्र हमने नही बनवाया था क्योंकि उनके विभाग ने उनको नौकरी से पहिले ही निकाल दिया था लिखत में हमने सूचित कर दिया था हो सकता है कि उनकी पत्नी जो कि बिना शादी के उनके साथ रहती थी अब उसका पता नही है कि कहॉ रहती है उन्होंने बनवाया होगा ता नही बता सकते हमारे पास या उनक लडके की बहू जो विधवा है के पास भी मृत्यु प्रमाण नही है। श्री रामपाल सिह व सत्यपाल के द्वारा दी गई रिर्पोट उपरोक्त है। रिर्पोट सेवामें उचित कार्यवाही हेतू प्रस्तुत है।''

On the last date, Shri U.K. Uniyal, learned Senior Counsel for the C.B.I. sought time for verification of the report. But today, none is appearing for the C.B.I. There is a report of Shri P.S. Sajwan, Sub-Inspector C.B.I. that H.D. Padha has died in the year 1994-95.

In view of the above, the appeal stands abated. The appeal is dismissed as abated.

(J.C.S. Rawat, J.)

Dt. : 20.03.2007
Shiv